भाजपा की नाकामी ने दिल्ली को गैस चैम्बर बना दिया है, और भाजपा से अब कोई उम्मीद नहीं बची है।

नई दिल्ली, किराड़ी जिला कांग्रेस कमेटी ने सुल्तानपुरी के जलेबी चौक पर प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए मास्क वितरण व, विरोध प्रदर्शन,भाजपा की नाकामी ने दिल्ली को गैस चैम्बर बना दिया है और भाजपा से अब कोई उम्मीद नहीं बची है। जिला महासचिव, विजय कुमार भारती, राहुल और वरुण ढाका, रिजवान खान, नबी बख्श ठेकेदार, ओम प्रकाश राठौर, सुलेमान सलमानी ,मुकेश राणा, प्रदीप कुमार (घासु), सोनू प्रधान ,पंकज अग्रवाल, वार्ड42,43,44 के ब्लॉक अध्यक्ष, प्रमोद पंचाल, दीपक चुरीलाल, चंदन सिंह, सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए .

बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 29 ● नई दिल्ली ● वीरवार 06 नवम्बर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागारिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

कैबिनेट सहकारिता मंत्री रविंदर सिंह ने एम्बुलेंस सेवा बेड़े ह्यूमैनिटी फर्स्ट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

नई दिल्ली ।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के माननीय कैबिनेट सहकारिता मंत्री श्री रविंदर सिंह (इंद्राज) ने आज जामिया कोऑपरेटिव बैंक की सराय जुलेना शाखा से गंभीर रूप से बीमार मरीजों को नजदीकी अस्पतालों तक पहुँचाने के लिए एम्बुलेंस सेवा बेड़े ह्यूमैनिटी फर्स्ट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ह्यूमैनिटी फर्स्ट एम्बुलेंस सेवा संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 से प्रेरित है। इस घोषणा की सराहना करते हुए, भारत सरकार ने भी देश में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए अपने प्रयास समर्पित किए हैं। जामिया नगर क्षेत्र के असहाय मरीजों को ले जाने में आने वाली परिवहन संबंधी कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, जामिया नेशनल फाउंडेशन ने जामिया कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड से इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए 2 एम्बुलेंस उपहार में देने का अनुरोध किया था। अनुरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए, जामिया बैंक ने उदारतापूर्वक 2 एम्बुलेंस खरीदने पर सहमति व्यक्त की और उन्हें फाउंडेशन को उपहार में दिया। ये एंबुलेंस जामिया कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के स्वामित्व में हैं और जामिया नेशनल फाउंडेशन द्वारा संचालित और प्रबंधित हैं। गंभीर रूप से बीमार मरीजों को नजदीकी अस्पतालों में पहुँचाने के अलावा, ह्यूमैनिटी फर्स्ट एम्बुलेंस का बेड़ा शवों को अस्पताल से घर और कब्रिस्तान/शमशान तक उनके अंतिम संस्कार के लिए ले जाने का भी प्रबंध करेगा। यह सेवा शुरुआत में जामिया नेशनल फाउंडेशन के ट्रस्टियों, दानदाताओं, योगदानकर्ताओं और जामिया बैंक के बोर्ड सदस्यों, शेयरधारकों और खाताधारकों के लिए उपलब्ध है, जिसे जल्द ही 7 किलोमीटर के दायरे में मामूली शुल्क पर आम जनता के लिए भी शुरू किया जाएगा।

जामिया कोऑपरेटिव बैंक में ह्यूमैनिटी फर्स्ट परियोजना को संभव बनाने वाली बात बैंक के संस्थापक मिर्ज़ा फ़रीदुल हसन बेग की सहकारिता की भावना है।

वर्तमान में, बैंक के अध्यक्ष श्री एमरूपुच्च बेग हैं और दिल्ली के दक्षिणी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर इसकी 8 शाखाएँ कार्यरत हैं, ताकि उन लोगों का वित्तीय सशक्तिकरण सुनिश्चित किया जा सके जिन्हें आमतौर पर नियमित और वाणिज्यिक बैंकों द्वारा उपेक्षित किया जाता है। प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता मिर्ज़ा फ़रीदुल हसन बेग द्वारा 1995 में स्थापित, जेसीबीएल सहकारिता की भावना का प्रसार करने, लघु-स्तरीय व्यवसायों का समर्थन करने और अपनी विविध पेशकशों के माध्यम से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए समर्पित है।

डॉ. अंबेडकर जी के गुरु भाई पूज्य भदन्त ज्ञानेश्वर महाथेरो जी का निधन

विश्व बौद्ध जगत को अत्यंत दुःखद मन से सूचित करना है कि संविधान निर्माता बोधिसत्व बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के बौद्ध धम्म दीक्षागुरु पूज्य भदन्त चंद्रमणि महास्थविर, म्यांमार बुद्ध विहार कुशीनगर के एकमात्र उत्तराधिकारी बाबा साहेब के गुरु भाई,विश्व शांतिनायक, कुशीनगर के गौरव, म्यांमार सरकार के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित अभिध्वजा महारथा गुरु 90 वर्षीय परम पूज्य भदन्त ज्ञानेश्वर महाथेरो, भिक्षु इंचार्ज, भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर एवं अध्यक्ष- कुशीनगर भिक्खु संघ, उत्तर प्रदेश का आज 30अक्टूबर की रात्रि 11:00 बजे लखनऊ के मेदांता हास्पिटल में निधन हो गया। अभिध्वजा महारथा गुरु भदन्त ज्ञानेश्वर महाथेरो जी का पार्थिव शरीर आज 31 अक्टूबर 2025 की शाम को कुशीनगर लाया गया है।

अभिध्वजा महारथा गुरु भदन्त ज्ञानेश्वर महाथेरो जी का पार्थिव शरीर को देश-विदेश के प्रिय शिष्यों, बौद्ध भिक्षुओं, बौद्ध अनुयायियों, गणमान्य नागरिकों के दर्शनार्थ म्यांमार बुद्ध विहार कुशीनगर में 10 नवंबर 2025 तक रखा जाएगा। जिनका अंतिम संस्कार 11 नवंबर 2025 को किया जाएगा। बौद्ध संगठनों की राष्ट्रीय समन्वय समिति भारत अपने धम्मागुरु, विश्व शांतिनायक, +अभिध्वजा महारथा गुरु÷ को भावभीनी श्रद्धांजलि दी.

उच्चतम न्यायालय ने गुरुग्राम की डीएलएफ सिटी में अवैध निर्माण हटाने के आदेश को रद्द किया

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत गुरुग्राम की डीएलएफ सिटी में अनधिकृत एवं अवैध निर्माण को हटाने का निर्देश दिया गया था न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि यह निर्देश उन संपत्ति मालिकों को सुनवाई का अवसर दिए बिना जारी किया गया था, जिन्हें मुकदमों में पक्षकार नहीं बनाया गया था। पीठ ने कहा कि मौजूदा मामले में, उच्च न्यायालय की ओर से जारी निर्देश, चाहे वह दीवानी अदालत के अधिकार क्षेत्र के संबंध में हो या निर्माणों को हटाने के, याचिकाकर्ताओं को रिट याचिका में पक्षकार बनाए बिना दिया गया प्रतीत होता है। उसने कहा, यह कहने की जरूरत नहीं है कि निष्पक्ष रूप से न्याय सुनिश्चित करने के लिए सुनवाई का अवसर दिया जाना अनिवार्य है और अदालत को किसी भी ऐसे पक्ष के अधिकारों पर फैसला नहीं देना चाहिए, जिनका पक्ष नहीं सुना गया हो। हालांकि, पीठ ने 28 अक्टूबर को पारित आदेश में कहा कि आवासीय संपत्ति पर वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए मानदंडों, नियमों और विनियमों के विपरीत निर्मित अनधिकृत या अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं दिया जा सकता है। उसने कहा, हम स्पष्ट करते हैं कि अगर कोई भी प्रभावित व्यक्ति निर्दिष्ट समय के भीतर उच्च न्यायालय में आवेदन करता है, तो उसे भी (सुनवाई में) शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। राज्य के प्राधिकारी प्रभावित व्यक्तियों को जनहित याचिका में शामिल करने के लिए इस आदेश का व्यापक प्रचार करने के लिए स्वतंत्र हैं। पीठ ने कहा कि अगर प्रभावित व्यक्ति दो हफ्ते में सुनवाई में शामिल होने के लिए आवेदन नहीं करते हैं, तो उच्च न्यायालय इस मुद्दे पर विचार करने और निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। उच्च न्यायालय ने अधिकारियों को हरियाणा शहरी क्षेत्र विकास एवं विनियमन अधिनियम 1975 की धारा-15 के तहत दो महीने के भीतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के समक्ष मामले का विस्तृत सार पेश किया था, जिसमें गुरुग्राम क्षेत्र के विभिन्न निवासियों के निर्माण में कई उल्लंघन करने का संकेत दिया गया था।

जीवनरक्षक स्थायी आर्थिक सहायता पर सुनवाई करें.., दुर्लभ बीमारियों के मरीजों का चीफ जस्टिस गवई से आग्रह

नई दिल्ली।देशभर के दुर्लभ बीमारियों (रेयर डिजीज) से जूझ रहे मरीजों और उनसे जुड़ी संस्थाओं ने मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने सात नवंबर को होने वाली सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से पहले बच्चों और युवाओं के जीवन बचाने के लिए स्थायी आर्थिक सहायता (फंडिंग) सुनिश्चित करने की मांग की है।

पत्र में कहा गया कि प्रशासनिक देरी और दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय नीति (एनपीआरडी) 2021 के तहत एकमुश्त 50 लाख रुपये की सीमा के कारण सैकड़ों बच्चों का उपचार नहीं हो पा रहा है। नीति के मुताबिक, देशभर में चिन्हित 12 उत्कृष्टता केंद्र में पंजीकृत दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित हर मरीज को इलाज के लिए अधिकतम 50 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद दी जाती है। इसमें आगे कहा गया, पिछले दो वर्षों में ही लगभग 60 मरीजों की मौत हो चुकी है, क्योंकि वे 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की सीमा पूरी कर चुके थे। वहीं 55 से अधिक मरीज महीनों से बिना इलाज के हैं, जबकि वे पंजीकृत हैं और जीवनरक्षक थेरेपी के योग्य हैं। यदि जल्द दखल नहीं दिया गया, तो साल के अंत तक यह संख्या 100 से अधिक हो जाएगी। दिल्ली हाईकोर्ट ने पिछले साल चार अक्तूबर 2023 को आदेश दिया था कि दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय कोष बनाया जाए और इसके लिए 974 करोड़ रुपये का आवंटन किया जाए, ताकि फंडिंग की सीमा हटाई जा सके और उपचार लगातार जारी रहे। लेकिन इसके बजाय, स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर कर दी, जिससे मरीजों को मिलने वाली राहत रुक गई। पत्र में कहा गया कि यह मामला लगभग एक साल से लंबित है और इस दौरान कई मरीजों ने दम तोड़ दिया है। लायसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर सपोर्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया (एलएसडीएसएस) मनजीत सिंह ने कहा, हम दया नहीं मांग रहे, हम केवल हाईकोर्ट के उस आदेश के पालन की मांग कर रहे हैं जो हमारे बच्चों के गरिमा के साथ जीने के अधिकार को मान्यता देता है।

इलाके में अपना दबदबा बनाने के लिए लोगों को धमकाने वाला हत्या का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली । पश्चिम दिल्ली में दबंगई के जरिए अपना दबदबा बनाने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। आरोपी हत्या के एक मामले में पहले गिरफ्तार होने के बाद जमानत पर रिहा हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी मनोज उर्फ नेपाली (29) के पास से एक देसी पिस्तौल और एक कारतूस बरामद हुआ। वह 2017 में ख्याला में दर्ज हत्या के एक मामले में शामिल था। यहां एक अधिकारी ने कहा, ''जेल में करीब सात साल बिताने के बाद उसे इस वर्ष जनवरी में जमानत पर रिहा कर दिया गया और उसने जेल से छूटने के बाद फिर से आपराधिक गतिविधियां शुरू कर दी थी।'' अधिकारी ने बताया कि एक स्थानीय दबंग के रूप में खुद का वर्चस्व स्थापित करने के मकसद से मनोज यहां रमेश नगर और आस-पास के इलाकों में शराब तस्करी तथा जुआ खेलने वालों से कथित तौर पर वसूली कर रहा था। उसके हिंसक स्वभाव के कारण लोग उससे डरते थे और उसके खिलाफ शिकायत करने से कतराते थे। पुलिस ने कहा, ''पता चला कि वह रघुबीर नगर में बस गया था, उसने दूसरी शादी कर ली थी और अपने गिरोह को फिर से सक्रिय करने की कोशिश कर रहा था। रमेश नगर में एक झुग्गी के पास उसके मौजूद होने और उसके पास हथियार होने की तीन नवंबर को खास जानकारी मिली। एक टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।'' पुलिस ने बताया कि उसके साथियों का पता लगाने और हथियार के स्रोत का पता करने के लिए जांच की जा रही है।

बाहरी दिल्ली में भयावह घटना: नाबालिग लड़की ने खुद को जलाया, पास मिला शख्स का फंदे से लटका शव

नई दिल्ली । बाहरी दिल्ली के रणहौला इलाके में 17 वर्षीय लड़की की झुलसने से मौत हो गई जबकि कुछ ही देर बाद एक व्यक्ति का शव पास के घर में फंदे से लटका मिला। पुलिस को संदेह है कि उसने आत्महत्या की है। एक अधिकारी ने मंगलवार को इन दावों को खारिज कर दिया कि दोनों के बीच संबंध थे। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से झुलसी लड़की को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि उसके घर के पास ही एक अन्य गली में एक व्यक्ति का शव फंदे से लटका हुआ पाया गया। उन्होंने कहा कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारी के अनुसार, लड़की ने परिवार से झगड़ा होने के बाद खुद को आग लगा ली। उन्होंने बताया कि अपराध टीम ने दोनों जगहों का निरीक्षण कर फोरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए हैं। इसके अलावा परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। अधिकारी ने कहा, लड़की के जलने के कारण और पुरुष की मौत की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

एअर इंडिया के चेक-इन सिस्टम में आई गड़बड़ी, दिल्ली समेत कई हवाई अड्डों पर यात्रियों को हुई परेशानी

नई दिल्ली ।दिल्ली समेत देश के कुछ अन्य हवाई अड्डों पर बुधवार को चेक इन करते समय एअर इंडिया के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एअर इंडिया के चेक-इन सिस्टम में थर्ड-पार्टी कनेक्टिविटी नेटवर्क की समस्या के कारण यात्री काफी देर तक चेक इन नहीं कर पाए। हालांकि बाद में सिस्टम को बहाल कर दिया गया है। फिलहाल सेवाएं सामान्य तौर पर चल रही हैं। एक सूत्र ने बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे पर, टर्मिनल 2 और 3 पर चेक-इन सिस्टम दोपहर 3.40 बजे से शाम 4.50 बजे तक लगभग 70 मिनट तक बंद रहा। हवाई अड्डों के बारे में विवरण का खुलासा नहीं किया गया।

एअर इंडिया ने सोशल मीडिया पर बताया कि अब सिस्टम को बहाल कर दिया गया है, हालांकि स्थिति सामान्य होने में कुछ समय लगेगा और कुछ उड़ानें अब भी देरी से चल सकती हैं। एयरलाइन ने कहा, थर्ड-पार्टी नेटवर्क की समस्या के कारण कुछ एयरलाइनों, जिनमें एअर इंडिया भी शामिल है, की उड़ानें प्रभावित हुईं। अब सिस्टम बहाल हो चुका है। एअर इंडिया ने बुधवार को एयरलाइन से यात्रा करने वाले यात्रियों से भी कहा कि वे हवाई अड्डे पर जाने से पहले एयरलाइन की वेबसाइट पर अपनी उड़ान की स्थिति की जांच कर लें तथा अपनी यात्रा के लिए अतिरिक्त समय रखें। मंगोलिया की राजधानी उलानबटेर में फंसे एअर इंडिया के 245 यात्री आखिरकार दो दिन बाद दिल्ली लौट आए हैं। एअर इंडिया का एक राहत विमान बुधवार सुबह इन सभी को लेकर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा। सान फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे एआई के एक विमान में सोमवार को तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके बाद विमान (एआई 174) की मंगोलिया में आपात लैंडिंग करनी पड़ी थी। तब से 228 यात्री और चालक दल के 17 सदस्य वहां फंसे हुए थे।

दिल्ली के कई स्कूलों में आउटडोर एक्टिविटी बंद, बिगड़ती एक्यूआई के बीच लिया फैसला

नई दिल्ली ।दिल्ली की हवा एक बार फिर से लोगों की सांसों पर भारी पड़ने लगी है. राजधानी की वायु गुणवत्ता लगातार गिरकर 'खराब' श्रेणी में पहुंच गई है. बढ़ते प्रदूषण के चलते अब बच्चों की सेहत पर भी खतरा मंडराने लगा है. इसी वजह से दिल्ली के कई स्कूलों ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपनी आउटडोर गतिविधियां जैसे कि खेलकूद, असेंबली और खेल पीरियड को फिलहाल के लिए बंद कर दिया है. दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार और बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक कई इलाकों में 300 से ऊपर दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है. इस कारण बच्चों और बुजुर्गों में सांस की दिक्कतें और आंखों में जलन जैसे लक्षण तेजी से बढ़ रहे हैं. राजधानी के प्रमुख स्कूलों जैसे दक्षिण दिल्ली, द्वारका, और नई दिल्ली क्षेत्र के कई स्कूलों ने स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कदम उठाया है. अब तक दिल्ली सरकार की ओर से स्कूल बंद करने का कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं हुआ है. सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रदूषण के स्तर के अनुसार आगे की कार्रवाई की जा सकती है. शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों से बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखने और उन्हें मास्क पहनने, क्लासरूम में एयर प्यूरिफायर लगाने जैसे कदम उठाने की सलाह दी है.

एबीवीपी ने 23 में से 12 काउंसलर सीटों पर जीत दर्ज की, कई संकायों में क्लीन स्वीप

नई दिल्ली । जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनावों की मतगणना लगातार जारी है। अब तक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने घोषित कुल 23 काउंसलर सीटों में से 12 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है। जिनमें से स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और स्पेशल सेंटर फॉर मॉलिक्यूलर मेडिसिन में क्लीन स्वीप करते हुए सभी सीटें अपने नाम कर ली हैं। वहीं अन्य घोषित संकायों में अभाविप ने बहुमत में जेएनयूएसयू में काउंसलर की सीटें जीत ली हैं। इस वर्ष जेएनयू के विभिन्न संकायों 47 सीटों पर काउंसलर पद पर मतदान होना था, जिनमें से 23 सीटों पर परिणाम घोषित हो चुके हैं, और अन्य पर मतगणना जारी है। केंद्रीय पैनल पर भी जेएनयूएसयू अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, एवं संयुक्त सचिव पद के लिए मतगणना शुरू हो गई है

दिल्ली में नई आबकारी नीति का मसौदा तैयार किया, बड़ी दुकानों और ज्यादा मुनाफे पर विचार

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में नई आबकारी नीति को लेकर हलचल तेज हो गई है. सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली सरकार की ओर से तैयार की जा रही नई शराब नीति के मसौदे में इस बार कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं. इनमें शराब की दुकानों को बड़ा और आधुनिक रूप देने के साथ-साथ खुदरा विक्रेताओं के लिए प्रति बोतल मिलने वाले मुनाफे (मार्जिन) में बढ़ोतरी का प्रस्ताव शामिल है. जानकारी के अनुसार, लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश वर्मा की अध्यक्षता वाली समिति इस नई नीति का मसौदा तैयार कर रही है, जो अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है. बताया जा रहा है कि नई आबकारी नीति में शराब की दुकानें रिहायशी इलाकों, स्कूलों और धार्मिक स्थलों से दूर रखी जाएंगी ताकि स्थानीय लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो.

सरकारी निगमों के तहत ही जारी रहेगी शराब बिक्री व्यवस्था

सरकार के सूत्रों ने बताया कि फिलहाल शहर में चल रही शराब दुकानों की व्यवस्था – जिसे चार सरकारी निगमों द्वारा संचालित किया जा रहा है – को जारी रखने की सिफारिश की जा रही है. इसका मतलब यह होगा कि दिल्ली में कोई निजी कंपनी शराब की दुकानें नहीं चला सकेगी.

नई नीति से दुकानदारों और उपभोक्ताओं दोनों को फायदा

मसौदे में यह भी प्रस्तावित है कि भारतीय निर्मित विदेशी शराब पर प्रति बोतल 50 रुपये और आयातित शराब पर 100 रुपये तक मुनाफा बढ़ाया जाए. विशेषज्ञों के अनुसार, इससे दुकानदारों को बेहतर और महंगी ब्रांड वाली शराब रखने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा. वर्तमान में दिल्ली में 700 से अधिक शराब की दुकानें हैं, जिनका संचालन चार सरकारी एजेंसियों डीएसआईआईडीसी, डीटीटीडीसी, डीएससीएससी और डीसीसीडब्ल्यूएस द्वारा किया जाता है. नई नीति में सुझाव दिया गया है कि ये निगम बड़े, साफ-सुथरे और आधुनिक स्टोर खोलें, ताकि उपभोक्ताओं को मॉल या शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जैसी सुविधाजनक जगहों पर शराब खरीदने का बेहतर अनुभव मिले.

पुरानी नीति में जांच और नई नीति के पारदर्शिता के दावे

आपको बता दें कि दिल्ली की मौजूदा आबकारी नीति सितंबर 2022 में लागू की गई थी जब दिल्ली में अरविंद केजरीवाल (आप) सरकार ने अपनी 2021-22 की सुधारात्मक नीति को भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण रद्द कर दिया था. उस नीति के लागू होने के दौरान कई अनियमितताओं के आरोप सामने आए थे और सीबीआई और ईडी जांच तक शुरू हुई थी. फिलहाल पुरानी नीति को कई बार बढ़ाया गया है और अब यह 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगी.

नई नीति को अब जनता के सुझावों के लिए रखा जाएगा, उसके बाद इसे कैबिनेट और उपराज्यपाल की मंजूरी के बाद लागू किया जाएगा. सरकार का दावा है कि नई नीति से दिल्ली में शराब बिक्री की व्यवस्था पारदर्शी, व्यवस्थित और उपभोक्ता हित में होगी.

शख्स को कार ने कुचला, मौके पर ही मौत; आरोपी चालक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । पश्चिम दिल्ली के मोती नगर फ्लाईओवर के पास मंगलवार की सुबह एक शख्स को कार ने कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 54 साल के रेहड़ी चलाने वाले रामकरन के रूप में हुई है। घटना के कुछ घंटों बाद ही दिल्ली पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, रामकरन का शव फ्लाईओवर के पास मिला था और उसके पेट के निचले हिस्से और माथे पर गंभीर चोटें थीं।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब 7:15 बजे पीसीआर कॉल आई कि नजफगढ़ रोड पर एक बैंक्वेट हॉल के पास एक शव पड़ा है। एक सीनियर पुलिस अफसर ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया, पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो फुटपाथ पर एक आदमी का शव पड़ा मिला। उसके शरीर पर चोट के निशान साफ दिख रहे थे। बाद में शव की शिनाख्त रामकरन के रूप में हुई। उसके सामान इधर-उधर बिखरे पड़े थे। पुलिस ने वारदात की जगह को सील कर दिया। बाद में मौके पर क्राइम और फॉरेंसिक टीमें बुलाई गईं और शव को पोस्टमार्टम के लिए दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने जांच के दौरान आसपास के कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। सीसीटीवी फुटेज में सफेद रंग की एक डिजायर कार क्षतिग्रस्त हालत में दिखी, जिसे देखकर पुलिस ने घटना से जोड़ा। सीसीटीवी फुटेज में मिले सबूतों के आधार पर केस दर्ज हुआ। टेक्निकल निगरानी और लगातार पूछताछ के बाद नोएडा सेक्टर-53 को गुझेरी निवासी आरोपी ड्राइवर 25 साल के मोहित यादव को गिरफ्तार किया गया।

मानवता को समर्पित-गुरु नानक देव जी

प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को सिख धर्म के आदि संस्थापक, आध्यात्मिक क्रांति के अग्रदूत और मानवता के अमर संदेशवाहक गुरु नानक देव के जन्म दिवस को 'गुरु नानक जयंती' अथवा 'प्रकाश पर्व' के रूप में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 5 नवम्बर को 556वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। यह दिन केवल किसी महापुरुष के जन्म का स्मरण मात्र नहीं बल्कि एक ऐसे युगपुरुष के आदर्शों का उत्सव है, जिन्होंने अपने जीवन और उपदेशों से संसार को समानता, सत्य, करुणा और एकत्व का अद्वितीय संदेश दिया। गुरु नानक बचपन से ही असाधारण प्रतिभा और गहन आध्यात्मिक चिंतन के धनी थे। जब वे मात्र पांच वर्ष के थे, तब ही उन्हें धार्मिक चर्चाओं और कीर्तन में गहरी रुचि हो गई थी। उनके जीवन में कभी भी दिखावा या पाखंड को स्थान नहीं मिला। वे हर कार्य के मूल में सत्य और यथार्थ की खोज करते थे। नौ वर्ष की आयु में जब उनके पिता कालुचंद खत्री ने यज्ञोपवीत संस्कार हेतु पुरोहित बुलाया, तब नानक ने बड़े विनम्र परंतु गूढ़ प्रश्न पूछे, 'क्या यह सूत का जनेऊ मनुष्य को मोक्ष दिला सकता है? जब शरीर नश्वर है, तो यह धागा भी शरीर के साथ नष्ट हो जाएगा, फिर यह कैसे आत्मा के साथ जा सकता है?' उनके इन शब्दों ने उपस्थित जनों को सोचने पर विवश कर दिया। वे तभी से अंधविश्वास और बाह्य आडम्बरों के प्रखर विरोधी बन गए थे।

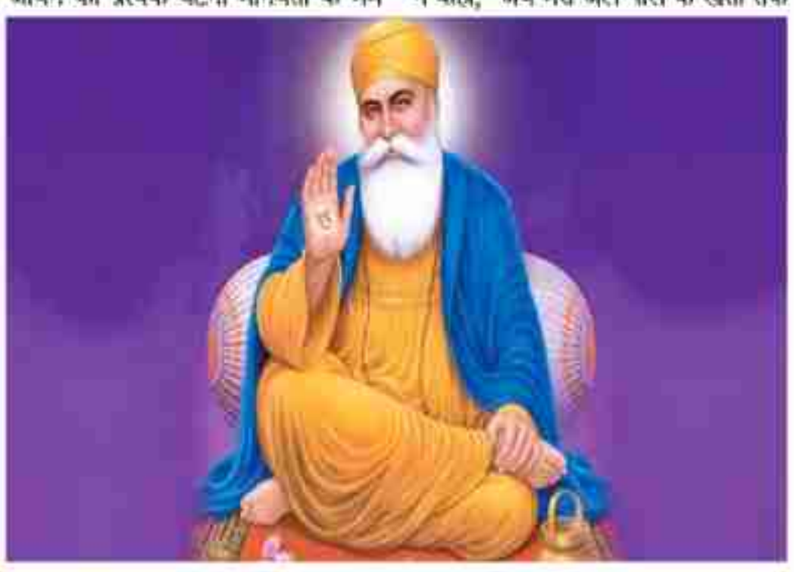

गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी से हुआ परंतु उनका हृदय सांसारिक जीवन की सीमाओं से परे था। वे गृहस्थ रहते हुए भी संसार के मोह-माया से निर्लिप्त रहे। गुरु नानक ने अपने जीवन में पाखंड, अहंकार और अन्याय के विरुद्ध तीव्र स्वर उठाया। एक बार अमीर भागो ने उन्हें अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित किया परंतु नानक ने उसका निमंत्रण अस्वीकार कर एक गरीब मजदूर के घर भोजन करना स्वीकार किया। जब भागो ने उन्हें नीच कहकर अपमानित किया, तब नानक ने सहज परंतु तीखी शिक्षा दी, 'मैं वह भोजन नहीं कर सकता, जो गरीबों के खून-पसीने से तैयार हुआ हो।' उन्होंने एक हाथ में भागो के व्यंजन और दूसरे हाथ में मजदूर की रोटियां लेकर उन्हें निचोड़ा तो मजदूर की रोटी से दूध और भागो के पकवानों से रक्त टपका। वह दृश्य सबके लिए जीवनभर का सबक बन गया कि सच्चा भोजन वही है, जो ईमानदारी और परिश्रम से कमाया गया हो। गुरु नानक के जीवन की प्रत्येक घटना मानवता के मर्म

को स्पर्श करती है। हरिद्वार में उन्होंने देखा कि लोग गंगा स्नान के बाद पूर्व दिशा में जल अर्पण कर रहे हैं। उन्होंने इसके विपरीत पश्चिम दिशा में जल फेंकना शुरू किया। जब लोगों ने इसका कारण पूछा तो उन्होंने कहा, 'मैं अपने खेतों को पानी दे रहा हूं।' भीड़ में हंसी गूंजी, तब गुरु नानक ने कहा, 'जब मेरा जल पास के खेतों तक नहीं पहुंच सकता तो तुम्हारा जल इतनी दूर स्वर्गलोक में पूर्वजों तक कैसे पहुंचेगा?' इस सहज उत्तर ने अंधविश्वास के आवरण को चीर दिया। उनका उद्देश्य किसी की आस्था का उपहास नहीं बल्कि उसे विवेक की रोशनी से प्रकाशित करना था। उनकी यात्राएं, जिन्हें 'उदासियां' कहा गया, मानवता के संदेश के प्रचार का माध्यम बनी। उन्होंने भारत, तिब्बत, श्रीलंका, अरब, ईरान और अफगानिस्तान तक भ्रमण किया। उनका लक्ष्य था मानव को धर्म की संकीर्ण परिभाषाओं से ऊपर उठाकर सच्चे ईश्वर और सच्चे जीवन की पहचान कराना। वे कहते थे, 'एक ओंकार सतनाम' यानी ईश्वर एक है और सत्य ही उसका नाम है। जब वे कपूरथला के सुल्तानपुर लोधी में वैन नदी के किनारे ध्यानमग्न थे, तब तीन दिन तक नदी में लीन रहे।

जब वे पुनः प्रकट हुए तो उनके मुख से यही शब्द निकले, 'एक ओंकार सतनाम।' वहीं उन्होंने ईश्वर का साक्षात्कार किया और वहीं बोया गया बेर का बीज आज भी 'गुरुद्वारा बेर साहिब' के रूप में श्रद्धा का केंद्र है। उनके उपदेशों में मानवता का गूढ़ दर्शन निहित है। वे कहते थे, 'एक पिता एकस के हम बारिक' यानी संसार का समस्त जीव एक ही परमपिता की संतान है। उन्होंने ऊंच-नीच, जात-पात और अमीरी-गरीबी की दीवारों को तोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'ना कोई हिन्दू, ना मुसलमान' अर्थात् सच्चा मनुष्य वही है, जो अपने भीतर ईश्वर का अंश पहचानता है। गुरु नानक की करुणा, उनकी दृष्टि और उनके चमत्कार केवल आस्था के प्रसंग नहीं बल्कि आत्मबोध के प्रतीक हैं। गुरु नानक देव का सम्पूर्ण जीवन समानता, सेवा, सत्य और प्रेम की शिक्षा देता है। उन्होंने 'नाम जपो, किरत करो, वंड छको', इन तीन मूल सिद्धांतों के माध्यम से जीवन का सार प्रस्तुत किया। उनका संदेश था 'परमात्मा का स्मरण करो, ईमानदारी से कर्म करो और अपनी आय का हिस्सा दूसरों के साथ बांटो।' उन्होंने कहा, 'जिसने पराया दुख अपना समझा, वही सच्चा भक्त है।' यह विचार युगों-युगों तक समाज को मानवीयता की राह दिखाते रहेंगे। उनका प्रकाश मानव चेतना के उस ऊंचे शिखर का प्रतीक है, जहां कोई भेद नहीं, केवल प्रेम है। गुरु नानक का यह संदेश आज भी उतना ही सजीव है 'ना कोई ऊंचा, ना कोई नीचा; सब एक ज्योति के अंश हैं।' गुरु नानक जयंती का पर्व हमें यही स्मरण कराता है कि संसार में भक्ति का सर्वोच्च रूप वही है, जो मानवता के कल्याण से जुड़ा हो। उनकी वाणी में निहित प्रकाश आज भी हमारे अंधकारमय समय में मार्गदर्शन की लौ बनकर जलता है।

सम्पादकीय...

हथियारों की होड़ में दुनिया

जहां हथियारों की दौड़ शुरू होती है वहां अक्सर युद्ध होते हैं। यद्यपि महाशक्तियां परमाणु हथियारों को विनाश के शस्त्र मानती हैं। इसके बावजूद कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं। यूरोप और दुनियाभर में नए उपनिवेशों पर प्रभुत्व की होड़ ने 19वीं सदी की हथियारों की होड़ के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा की थीं। हथियारों की भारी वृद्धि के कारण ही दुनियाभर में असुरक्षा और भय की भावना पैदा हो गई। इन सब ने ही युद्ध को अपरिहार्य बना दिया। ज्यादा हथियार देशों को युद्ध की ओर ही ले जाते हैं। अगर एक तरफ हथियार है तो दूसरी तरफ भी हथियार ही होंगे। कौन नहीं जानता कि महाशक्ति अमेरिका और कभी अविभाजित रूस (सोवियत संघ) ने शीत युद्ध के दौरान परमाणु और पारम्परिक हथियारों का भंडार जमा कर लिया था। मौजूदा दौर में एक बार फिर विनाशकारी हथियारों की दौड़ शुरू हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए दावे ने न केवल दुनिया को चौंका दिया है, बल्कि खुद परमाणु परीक्षण शुरू करने का ऐलान कर एक नई चिंता पैदा कर दी है। ट्रंप ने दावा किया है कि पाकिस्तान, चीन, रूस, उत्तर कोरिया चोरी-छिपे परमाणु बमों का परीक्षण कर रहे हैं। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि अमेरिका भी परमाणु परीक्षण करे। हैरानी की बात तो यह है कि ट्रंप कई युद्ध रुकवाने का दावा कर नोबेल शांति पुरस्कार मांग रहे थे लेकिन अब उन्होंने एक दम से कलाबाजी खाकर अपने रक्षा विभाग को परमाणु परीक्षण करने का आदेश दे दिया है। अमेरिका 33 वर्ष के बाद परमाणु परीक्षण की दौड़ में शामिल हो रहा है। परमाणु बम बनाने की होड़को खत्म करने के मकसद से 1996 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने परमाणु परीक्षणों पर रोक लगा दी थी। ट्रंप के दावों में कितना सच है और कितना झूठ यह कहना मुश्किल है लेकिन इसमें कोई दोराय नहीं कि आज कई देश हथियारों की दौड़ और बढ़ते सैन्य खर्च में लगे हुए हैं। रूस- यूक्रेन युद्ध अभी भी जारी है। इजराइल-हमास की लड़ाई संघर्ष विराम के बावजूद खत्म होने का नाम नहीं ले रही। हजारों लोग मर रहे हैं। लाखों लोग बेघर हो चुके हैं। महिलाएं और बच्चे युद्धों से सर्वाधिक पीड़ित हैं। जो स्थिति दिखाई पड़ रही है उससे स्पष्ट है कि सभ्य कही जाने वाली दुनिया मानवता के हक में शांति का रास्ता कैसे चुन सकेगी। हर दौर में हुए युद्ध और उनके नतीजों ने यह साबित किया है कि यह किसी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि खुद ही एक समस्या है। शायद ही कोई सिद्धांत रूप में युद्ध का समर्थन करता दिखे लेकिन बहाने अलग-अलग भले हों, उनकी आड़ में ज्यादातर देश अपने रक्षा खर्च को ऊंचा रखते हैं, दूसरे देशों की ओर से खतरा बता कर उसमें भारी बढ़ौतरी को जरूरी बताते हैं। उसके बाद शुरू होता है हथियारों की खरीद का सिलसिला, जो देशहित के अन्य बेहद जरूरी मसलों की कीमत पर होता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश की रक्षा सबसे जरूरी मसला होना चाहिए, मगर यह हैरानी की बात है कि ज्यादा सभ्य, शांत और विकसित होने का दावा करते ऐसे कई देश हैं, जो शांति के लिए ठोस पहलकदमी करने के बजाय युद्ध में इस्तेमाल होने वाले घातक हथियारों की खरीद-फरोख्त में लगे रहते हैं। सवाल है कि अगर बड़े पैमाने पर व्यापक जनसंहार के हथियार खरीदे या निर्मित किए जाते हैं तो आखिर उनका इस्तेमाल क्या होगा और उसके नतीजे क्या सामने आएंगे। अगर हम सभी 9 परमाणु शक्तियों के पास मौजूद परमाणु बमों की संख्या को देखें तो आंकड़े डरावने हैं। सबसे ज्यादा परमाणु बम रशिया के पास हैं, उसके पास 5 हजार 459 परमाणु बम हैं। दूसरे नंबर पर अमेरिका है जिसके पास 5 हजार 177 परमाणु बम हैं। 600 परमाणु बमों के साथ तीसरे नंबर पर चीन है और इसके बाद चौथे नंबर पर फ्रांस है जिसके पास 290, यूके के पास 225, भारत के पास 180, पाकिस्तान के पास 170, इजराइल के पास 90 और उत्तर कोरिया के पास 50 परमाणु बम हैं। आज युद्धों का स्वरूप बदल गया है। एक के बाद एक विनाशकारी हथियार तैयार किए जा रहे हैं। रूस ने पिछले हफ्ते ही एक परमाणु संचालित क्रूज मिसाइल और एक परमाणु संचालित टारपीडो का परीक्षण किया था। चीन भी लगातार मिसाइलों का परीक्षण कर रहा है। अमेरिका ने ही 1945 में 20 किलो टन के परमाणु बम के परीक्षण के साथ परमाणु युग की शुरूआत की थी और अगस्त 1945 में जापान के हीरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराकर दूसरे विश्व युद्ध में जापान को हरा दिया था। जहां तक भारत का संबंध है। 1998 के बाद से ही भारत ने कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया है। भारत परमाणु निरस्त्रीकरण का प्रबल समर्थक रहा है। सारी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान का परमाणु बम चोरी का परमाणु बम था। पाकिस्तान हमेशा भारत को परमाणु बम की धमकियां देता रहता है। पाकिस्तान की नीति यह है कि अगर उसे अपनी सुरक्षा पर खतरा महसूस हो तो वह पहले परमाणु बम का इस्तेमाल कर सकता है। भारत की नीति यह है कि वह पहले परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करेगा। महाशक्तियों ने परमाणु हथियार बनाने के अपने अधिकार तो सुरक्षित रखे लेकिन दूसरे देशों को परमाणु परीक्षण करने से रोका। अगर अमेरिका परमाणु परीक्षण करता है तो अन्य देश?भी अपनी सुरक्षा हित में ऐसा कर सकते हैं। भारत के पड़ोसी चीन और पाकिस्तान परमाणु परीक्षण करते हैं तो भारत के लिए भी यह जरूरी होगा कि वह भी अपनी तैयारी पूरी करे। मौजूदा दौर में हथियारों की दौड़ दुनिया को खतरनाक बना देगी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत -एक क्रांति, एक नई शुरुआत,

बीसीसीआई द्वारा आर्थिक पुरस्कारों की बारिश- क्या टीम को विजय परेड

वैश्विक स्तरपर 2 नवंबर 2025 यह तारीखआने वाले वर्षों में भारतीय खेल इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में दर्ज की जाएगी।यह दिन केवल एक क्रिकेट मैच की जीत का नहीं, बल्कि उस सोच की पराजय का प्रतीक है जिसने सदियों तक भारतीय नारी को सीमाओं में जकड़ कर रखा। यह विजय न केवल भारतीय महिला क्रिकेट टीम की है, बल्कि यह भारत की उन 70 करोड़ महिलाओं की सामूहिक जीत है,जिन्हें अक्सर यह कहकर पीछे धकेल दिया जाता रहा कि यह काम तुम्हारे बस का नहीं।इस दिन भारत की बेटियों ने साबित कर दिया कि अगर संकल्प अटूट हो,तो हर मैदान जीता जा सकता है,चाहे वह घर का हो या खेल का।इस ऐतिहासिक विजय ने भारतीय खेल जगत कीपरंपराओं को झकझोर दिया है। यह सिर्फ एक ट्रॉफी जीतने की कहानी नहीं,बल्कि समाज के भीतर पनपी लैंगिक असमानता के खिलाफ एक बगावत है।दशकों तक महिला क्रिकेट को कमज़ोर या कम लोकप्रिय खेल माना जाता रहा।लेकिन 2 नवंबर 2025 को भारतीय महिला टीम ने यह भ्रम तोड़ दिया। उन्होंने यह दिखा दिया कि पसीना,परिश्रम,धैर्य और आत्मविश्वास किसी लिंग से नहीं, बल्कि जुनून से परिभाषित होता है।क्रिकेट, जो कभी पुरुषों के दबदबे वाला खेल माना जाता था,अब एक नई पहचान पा चुका है,क्रिकेट है तो भारत है, और भारत है तो उसमें नारी की शक्ति भी शामिल है।यह जीत खेल की सीमाओं से परे जाकरसामाजिक सोच, सांस्कृतिक मानसिकता और आर्थिक समानता के विमर्श को भी नया आयाम देती है।2 नवंबर 2025 सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि भारत में महिला सशक्तिकरण की नई सुबह है। जिस तरह 1983 में कपिल देव की टीम ने पुरुष क्रिकेट में भारत को विश्व विजेता बनाकर नया युग शुरू किया था, उसी तरह इस तारीख ने महिला क्रिकेट को नयी परिभाषा दी है।भारतीय महिला खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और संघर्ष से यह दिखाया कि अब क्रिकेट में पुरुषों का वर्चस्व जैसा कोई मिथक नहीं बचा।यह दिन खेलों में महिलाओं की समानभागीदारी के लिए भीप्रेरणा स्रोत बनेगा। जैसे ही भारत नेनिर्णायक गेंद पर जीत हासिल की, हर घर में टीवी स्क्रीन के सामने बैठी लाखों लड़कियों ने अपने भीतर एक सपना महसूस किया,मैं भी खेल सकती हूं, मैं भी जीत सकती हूं। यही वह विचार है जो इस तारीख को केवल क्रिकेट से जोड़ने के बजाय, एक सामाजिक आंदोलन का हिस्सा बनाताहै।भारत की महिला क्रिकेट टीम कीहालिया विश्वस्तरीय जीत ने न केवल खेल जगत को बल्कि पूरे देश को उत्साह और गर्व से भर दिया है। यह सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि महिला क्रिकेट की उस दीर्घ यात्रा की पराकाष्ठा है, जो वर्षों से पुरुष प्रभुत्व वाले क्षेत्र में खुद को स्थापित करने के लिए संघर्ष करती रही। इस जीत के बाद तीन बड़े पहलुओं ने सुर्खियां बटोरीं (1)क्या टीम को विजय परेड मिलेगी (2) बीसीसीआई का आर्थिक पुरस्कार क्या संकेत देता है? और (3) आईसीसी द्वारा घोषित टीम ऑफ द टूर्नामेंट से भारतीय कप्तान को बाहर रखना क्या उचित था? साथियों बात अगर हम इस जीत को 70 करोड़ भारतीयमहिलाओं को समर्पित विजयोत्सव के रूप में देखें तो,यह जीत उन 70 करोड़ भारतीय महिलाओं के नाम है, जिन्हें समाज ने कभी न कभी यह कहकर रोका कि यह लड़कियों का काम नहीं।यह विजय उन माताओं के नाम है जिन्होंने गरीबी के बावजूद अपनी बेटियों को खेल का सामान खरीदकर दिया, उन बहनों के नाम है जिन्होंने समाज की ताने सुने लेकिन हार नहीं मानी, और उन बेटियों के नाम है जिन्होंने टूटी सड़कों, पुराने बल्लों और घिसी हुई गेंदों से भी सपनों को संजोया।महिला क्रिकेट टीम की यह उपलब्धि केवल खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि उन असंख्य स्त्रियों की सामूहिक चेतना का परिणाम है, जो धीरे-धीरे अपनी सीमाओं से बाहर निकल रही हैं। इस जीत ने यह साबित कर दिया है कि अगर अवसर समान हों, तो महिलाएं केवल बराबरी नहीं, बल्कि उत्कृष्टता की मिसाल पेश कर सकती हैं। साथियों बात अगर हम इस जीत को बेटियां अब किसी से कम नहीं की सटीक सोच के रूप में देखें तो,भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह विजय उस सोच का उत्तर है, जो सदियों से कहती आई थी,लड़कियां कमजोर हैं। भारत की बेटियों ने अब यह सिद्ध कर दिया है कि वे केवल घर की दीवारों तक सीमित रहने के लिए नहीं बनीं। उन्होंने अपने बल्ले और गेंद से उस मानसिकता को तोड़ दिया है जो उन्हें दूसरे दर्जे का मानती थी।ये वही बेटियां है जिन्होंने गरीबी, सामाजिक असमानता, खेल सुविधाओं की कमी,और भेदभाव जैसी तमाम बाधाओं को पार किया। कई खिलाड़ी छोटे कस्बों से आती हैं, जहां क्रिकेट का मैदान तक नहीं होता। लेकिन उन्होंने मिट्टी में अपने सपनों को सींचा, और आज वही बेटियां विश्व पटल पर भारत का परचम लहरा रही हैं।उनका हर रन, हर विकेट, हर कैच एक संदेश देता है,हम बेटियां अब किसी से कम नहीं। यह संदेश केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि दुनिया भर की उन महिलाओं के लिए भी प्रेरणा है जो सीमाओं से बाहर निकलने का साहस जुटा रही हैं। साथियों बात अगर हम मेरी जीत को समाज की सोच पर प्रहार- चूल्हे-चौके से विश्व मंच तक के सामर्थ्य के रूप में देखें तो,भारत की इस जीत ने केवल ट्रॉफी नहीं जीती, बल्कि उस सोच को हराया जिसने लड़कियों को घर की चारदीवारी में कैद कर रखा था। सदियों से समाज ने स्त्रियों को रसोई, परिवार और सेवा तक सीमित रखा। खेल, विज्ञान, राजनीति या किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र में उनका योगदान अक्सर नजरअंदाज किया गया। लेकिन जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व मंच पर विजय पताका फहराई, तो यह पराजय केवल विरोधी टीम की नहीं, बल्कि उस पुरानी सोच की भी थी।यह जीत उस पितृसत्तात्मक मानसिकता के खिलाफ एक क्रांति है, जो हमेशा कहती थी,लड़कियां यह नहीं कर सकतीं। अब वही बेटियां यह कह रही हैं,हम कर सकती हैं, और बेहतर कर सकती हैं।यह परिवर्तन केवल खेल के मैदान तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि आने वाले समय में यह राजनीति, शिक्षा, विज्ञान और समाज के हर क्षेत्र में दिखाई देगा। साथियों बात अगर हम जीत के बाद उदय हुए इन तीन मुद्दों पर चर्चा करें तो (1) क्या भारतीय महिला क्रिकेट टीम को जीत पर मिलेगी जीत की परेड?जब भी कोई भारतीय टीम विश्व कप या किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करती है, तो जनता की अपेक्षा रहती है कि उनका स्वागत उसी शान और गरिमा से किया जाए, जैसी पुरुष टीम को दी जाती है। वर्ष 2025 में महिला टीम की यह जीत भारतीय खेल इतिहास में एक टर्निंग पॉइंट साबित हुई है। देशभर में सोशल मीडिया और जनभावनाओं ने यह मांग उठाई है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सम्मान में मुंबई या दिल्ली में विजय परेड का आयोजन होना चाहिए,जैसे 2011 में पुरुष विश्व कप जीत के बाद हुआ था।यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल जश्न का प्रतीक नहीं, बल्कि समानता के अधिकार का प्रतीक भी बनेगा। महिला खिलाड़ियों ने जिस संघर्ष और समर्पण से इस मुकाम को हासिल किया है, वह सम्मान के हर रूप की हकदार है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड जैसी क्रिकेट बोर्ड अपनी महिला टीमों के सम्मान में परेड आयोजित कर चुके हैं। ऐसे में भारत यदि इस ऐतिहासिक पल को राष्ट्रीय स्तर के सार्वजनिक उत्सव में बदलता है, तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा बनेगा कि क्रिकेट अब सिर्फ पुरुषों का नहीं, भारत की बेटियों का भी गौरव है।(2) भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए बीसीसीआई ने खोला खजाना- बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड) ने इस बार महिला खिलाड़ियों के प्रति अभूतपूर्व उदारता दिखाई है। जीत के तुरंत बाद बीसीसीआई अध्यक्ष और सचिव ने घोषणा की कि सभी खिलाड़ियों को रिकॉर्ड-स्तर की प्राइज मनी और अतिरिक्त बोनस दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि प्रत्येक खिलाड़ी को करोड़ों रुपये का इनाम, सपोर्ट स्टाफ के लिए विशेष प्रोत्साहन राशि, और अगले सीजन के लिए महिला आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट में भारी वृद्धि की जा सकती है।यह निर्णय न केवल उनके प्रयासों की पहचान है, बल्कि महिला क्रिकेट की आर्थिक स्थिति में भी ऐतिहासिक सुधार की शुरुआत है। अब तक पुरुष क्रिकेटरों और महिला खिलाड़ियों के बीच वित्तीय असमानता का मुद्दा चर्चा का विषय रहा है। लेकिन इस जीत के बाद बीसीसीआई ने संकेत दिया है कि भविष्य में इक्वल पे पालिसीको पूरी तरह लागू किया जाएगा।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह भारत के खेल- संस्कृति की परिपक्वता का संकेत है। क्योंकि खेल में समान पुरस्कार और अवसर सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान और लैंगिक न्याय का भी प्रतीक हैं। यह कदम भारत को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी क्रिकेट व्यवस्थाओं की बराबरी की ओर ले जा सकता है, जहां महिला खिलाड़ियों को पहले से ही समान भुगतान नीति का लाभ मिल रहा है।(3)आईसीसी ने घोषित की टीम ऑफ द टूर्नामेंट ,भारतीय कप्तान को नजर अंदाज़ किया गया।जहां एक ओर भारत की जीत ने पूरी दुनिया में महिला क्रिकेट की नई लहर पैदा की, वहीं दूसरी ओर आईसीसी के टीम ऑफ द टूर्नामेंट चयन को लेकर विवाद उठ खड़ा हुआ। इस सूची में कई भारतीय खिलाड़ियों को स्थान दिया गया।

बुध्दगया टेंपल मैनेजमेंट कमेटी (BTMC) के मामले में संशोधन याचिका सुप्रीम कोर्ट में पेश, अगली सुनवाई 27 नवंबर 2025 को होगी

नई दिल्ली (ए. के.चौधरी) बौद्ध संगठनों की राष्ट्रीय समन्वय समिति भारत में महाराष्ट्र राज्य इकाई कानूनी प्रकोष्ठ- में मुख्य सलाहकार , 7वीं राष्ट्रीय बौद्ध धम्म संसद कुशीनगर-2019 में -प्रियदर्शी अशोक अवार्ड- से सम्मानित बौद्ध प्रवक्ता आयुष्मान शैलेश नारनवरे एडवोकेट मुंबई हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट जो मुख्य याचिका -सिविल रिट पिटीशन संख्या- 380/212 भदन्त आर्य नागार्जुन सुरेई ससाई बनाम भारत सरकार एवं अन्य के मामले में दाखिल याचिका के मुख्य अधिवक्ता है। उनके साथ -एडवोकेट आन रिकॉर्ड सुप्रीम कोर्ट श्रेय दंभारे जी (AOR) अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

बुद्धगया महाबोधि महाविहार मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के माननीय न्यायाधीश सूर्यकांत एवं न्यायाधीश जोयमाल्या बागची के समक्ष कोर्ट नंबर -2 में हुई। 91 वर्षीय मुख्य याचिककर्ता भदन्त आर्य नागार्जुन सुरेई ससाई के अधिवक्ता शैलेश नारनवरे एवं एडवोकेट श्रेय रवि दंभारे सुप्रीम कोर्ट रूम की अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर इस ऐतिहासिक मामले में सभी तथ्यों के साथ संशोधन याचिका माननीय अदालत में पेश की। जिसे माननीय न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं माननीय मूर्ति जोयमाल्या बागची ने स्वीकार करते हुए इस मामले की आगामी सुनवाई 27 नवंबर 25 निश्चित कर दी।

विश्व बौद्ध जगत की जानकारी में लाना है कि सुप्रीम कोर्ट में महाबोधि महाविहार बुद्धगया मामले की सुनवाई के अंदर लगभग 24 हस्तक्षेप याचिकाएं (Intervention Application) एवं 6 रिट पिटिशन अलग-अलग लोगों द्वारा दाखिल की गई है। इन याचिकाओं के याचिकाकर्ता बौद्ध संगठनों को देश में कोई जानता , पहचानता नहीं है, यह केवल अपने को चमकाने, फोटो वीडियो बनाने, सुप्रीम कोर्ट के रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने, देश में चंदा वसूली अभियान चलाने, माननीय अदालत का समय बर्बाद करने तथा बुध्दगया मामले

को उलझाने पर आमदा है। जबकि सिविल रिट पिटीशन संख्या- 380/2012 में दाखिल संशोधन याचिका में एडवोकेट शैलेश नारनवरे एवं एडवोकेट श्रेय रवि दंभारे जी ने कहा है कि वर्ष 2012 BTMC Act की धारा -3 को चुनौती दी गई थी जिसमें चार हिंदू चार बौद्ध सदस्यों के साथ गया जिले के कलेक्टर की अध्यक्षता में बनी कमेटी को समाप्त कर पूर्ण प्रबंधन बौद्धों का होना चाहिए।

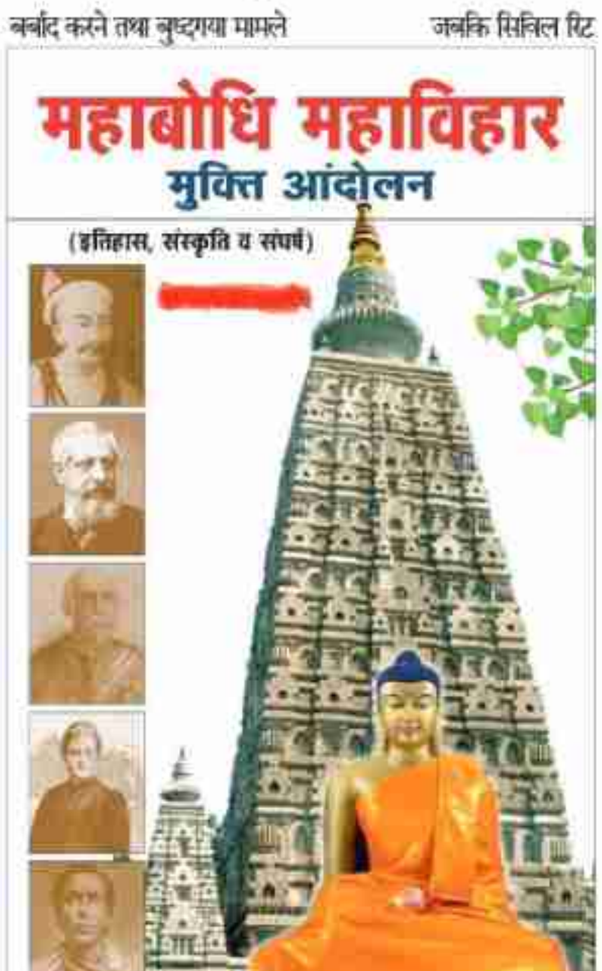

संशोधन याचिका में स्पष्ट कहा गया है कि बोधगया टेंपल मैनेजमेंट एक्ट 9 जून 1949 को प्रभाव में आया जबकि भारतीय संविधान सभा ने देश के संविधान को 26 नवंबर 1949 को स्वीकार किया था। इसलिए BTMC Act - 1949 को गैरकानूनी घोषित किया जाए।

अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा वर्ष 1878 में महाबोधि महाविहार की खुदाई से प्राप्त अवशेषों, सबूतों को ध्यान में रखते हुए महाबोधि महाविहार प्रांगण के अंदर अन्य धर्मों द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण,घालमेल को रोका जाए, हटाया जाए। राम मंदिर अयोध्या मामले में आस्था के आधार पर दिए गए फैसले के अनुसार मुसलमानों को अलग जगह दी गई है। इसी तरह महाबोधि महाविहार प्रांगण से महंत के लोगों को अलग विस्थापित किया जाए।

क्योंकि महाबोधि महाविहार बुद्धगया विश्व के बौद्धों की आस्था एवं श्रद्धा का मुख्य केंद्र है और इसका ऐतिहासिक प्रमाण 260 ईसा पूर्व भारत के महान सम्राट प्रियदर्शी अशोक ने महाबोधि महाविहार का निर्माण कराया था, इसलिए सभी साक्ष्यों, तर्कों, सबूतों के आधार पर महाबोधि महाविहार का पूर्ण प्रबंधन बौद्धों को मिलेगा।

अभय रत्न बौद्ध
राष्ट्रीय समन्वयक एवं संगठक
*राष्ट्रीय बौद्ध धम्म संसद बुद्धगया एवं
*बौद्ध संगठनों की राष्ट्रीय समन्वय समिति भारत।
मुख्यालय- महाबोधि मेडिटेशन सेंटर, बुध्दगया ,जिला- गया जी (बिहार)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार घाती ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पैंथलाईन एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार घाती, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/00863)

बेटों की प्रताड़ना से व्यथित बुजुर्ग माँ न्याय की दर-दर ठोकरें खाने को मजबूर, नारी सशक्तिकरण के दौर में माँ की पुकार

सलेमपुर, देवरिया।

जहाँ एक ओर प्रदेश भर में नारी सशक्तिकरण और ÷महिलाओं को न्याय÷ दिलाने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं सलेमपुर की एक बुजुर्ग महिला अपने ही बेटों की प्रताड़ना से त्रस्त होकर इंसाफ की गुहार लगा रही है। अपने ही घर से बेघर कर दी गई इस माँ की कहानी समाज के उस कठोर चेहरे को उजागर करती है, जहाँ गैरों को सम्मान और अपनों को अपमान देना एक सामान्य प्रवृत्ति बन चुकी है।

वार्ड नंबर 10, सलेमपुर की निवासी माधुरी देवी ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर अपने बेटों सतीश चंद्र जायसवाल, शुभम जायसवाल और बहू रीता जायसवाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पति स्वर्गीय ओम प्रकाश जायसवाल की मृत्यु के बाद बड़े बेटे सतीश ने पारिवारिक फर्म की बागडोर संभाल ली, लेकिन जिम्मेदारी निभाने के बजाय घर की एकता और माँ का स्नेह

तोड़ दिया। माधुरी देवी का आरोप है कि सतीश ने छोटे बेटे शुभम को अपने साथ रख लिया और बाकी दो बेटों संजीव और अरविंद को दुकान से बाहर कर दिया। इसके बाद स्थिति इतनी बिगड़ गई कि माँ तक को सम्मानजनक जीवन से वंचित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि 3 जुलाई 2025 को सतीश द्वारा

अपने ही बेटों ने घर से निकाला, अब न्याय ही आखिरी उम्मीद

मारपीट की गई, जबकि अगले दिन 4 जुलाई को शुभम और रीता ने उन्हें गाली-गलौज कर धमकाया और उनका मोबाइल तक तोड़ दिया। बुजुर्ग महिला का कहना है कि उन्होंने तहसील दिवस से लेकर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी तक को कई बार लिखित शिकायतें दीं, लेकिन आज तक किसी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब उन्होंने पुनः पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि उनके साथ न्याय किया जाए और दोषियों के खिलाफ उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज हो। माधुरी देवी ने यह भी कहा कि यदि उनके साथ कोई अनहोनी होती है, तो इसकी सीधी जिम्मेदारी सतीश, शुभम और रीता जायसवाल की होगी।

रेलवे पेंशनरों को जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना हुआ आसान

गोरखपुर ।

पूर्वोत्तर रेलवे पर डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान 4.0 चलाया जा रहा है, जिसके द्वारा पेंशनरों या पारिवारिक पेंशनरों के लिये जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को सरल एवं आसान बनाया गया है। परंपरागत रूप से, पेंशनभोगियों को अपनी पेंशन निरंतरता सुनिश्चित करने के लिये प्रत्येक वर्ष माह नवम्बर में बैंक जाना आवश्यक था। इस अभियान के अन्तर्गत पेंशनरों को ऑनलाइन जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने का विकल्प प्रदान किया गया है, जिससे समय की बचत होगी। वरिष्ठ पेंशनरों के लिये विशेषकर लाभदायक होगा। एक आसान प्रक्रिया के माध्यम से पूर्वोत्तर रेलवे अपने पेंशनरों को सशक्त

लाइफ सर्टिफिकेट के लिये रेलवे पेंशनरों को नहीं होना पड़ेगा परेशान

बनाने के साथ ही जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने को सुव्यवस्थित करना है। इस अभियान में भाग लेने के लिये पेंशनरों या पारिवारिक पेंशनरों को गूगल प्ले स्टोर से यू.आई.डी.ए.आई. द्वारा ''आधारफेस आर.डी. (अर्ली एक्सेस) ¿Aadhaar Face RD (Early Access)À^^ एप्लिकेशन डाउनलोड करना होगा। इसके पश्चात पेंशनरों को गूगल प्ले स्टोर से 'जीवन प्रमाण' ¼Jeevan Pramaan½ एप इंस्टाल करना होगा। दोनों एप के इंस्टाल होने के बाद, ऑपरेटर एथेन्टीकेशन स्क्रीन खुलेगा जहाँ पर स्टेप वाइज आगे बढ़ते हुए डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र डाउनलोड किया जा सकेगा। किसी भी संशय की स्थिति में पूर्वोत्तर रेलवे के कार्मिक विभाग, लेखा विभाग अथवा संबन्धित बैंक से सम्पर्क किया जा सकता है। इसका उपयोग करके, पेंशनभोगी घर से अपने जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं तथा भौतिक यात्राओं की आवश्यकता के बिना सुविधाजनक एवं कुशल प्रक्रिया का आनन्द ले सकते हैं। पूर्वोत्तर रेलवे अपने पेंशनभोगी समुदाय के बेहतर अनुभव तथा सुविधा को बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध है। पूर्वोत्तर रेलवे के पेंशनरों को इसका लाभ मिलेगा।

अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी ने किया थाना एकौना व रुद्रपुर का निरीक्षण, पारदर्शिता संवेदनशीलता और अनुशासन पर दिया जोर

देवरिया।

पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद कुमार पाण्डेय ने थाना एकौना एवं रुद्रपुर का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर, अभिलेखों, हवालात, मालखाना, आरक्षी बैरक, भोजनालय, महिला सहायता कक्ष, मिशन शक्ति केंद्र, शस्त्रागार तथा बीट सूचना रजिस्टर सहित सभी शाखाओं की सूक्ष्म समीक्षा की। एएसपी ने अभिलेखों के रख-रखाव, साफ-सफाई एवं अद्यतन स्थिति पर विशेष ध्यान देते हुए थाना प्रभारी एवं समस्त पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता, अनुशासन और जिम्मेदारी का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि थाने का हर कर्मचारी जनता के साथ शालीनता से व्यवहार करे तथा जनसामान्य की समस्याओं के निस्तारण में तत्परता एवं संवेदनशीलता दिखाए। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने थानों पर लंबित

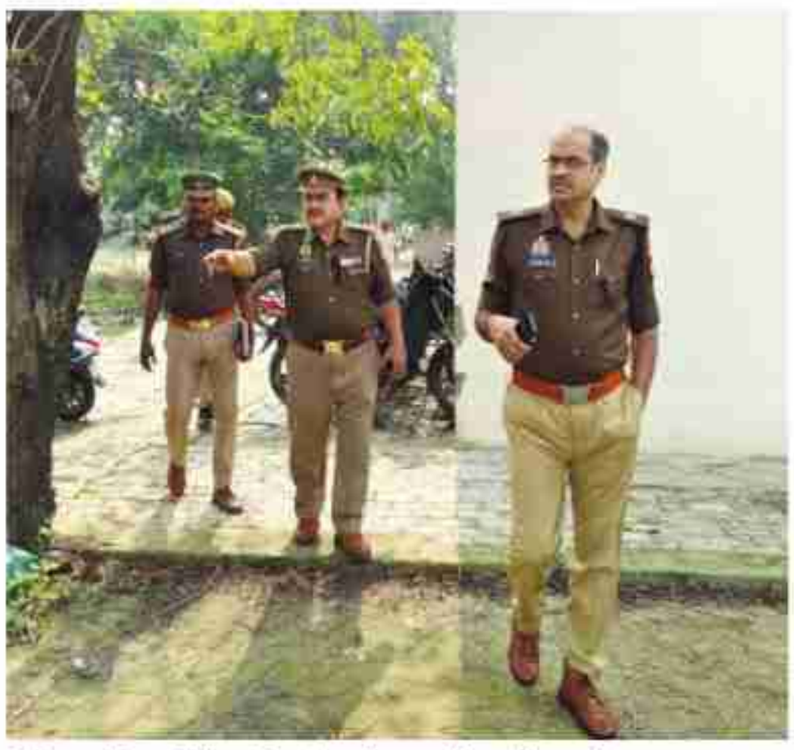

विवेचनाओं, वारंटों, शांति भंग की कार्यवाही और जनशिकायतों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक विवेचक समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित करे ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके और पुलिस की विश्वसनीयता बनी रहे। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए नियमित गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी और ग्राम चौपालों के माध्यम से जनता से संवाद आवश्यक है। उन्होंने कहा, अपराध नियंत्रण केवल पुलिस कार्रवाई से नहीं, बल्कि पुलिस-जन सहयोग से ही संभव है।

थानों की व्यवस्था, विवेचनाओं की गुणवत्ता व जनशिकायतों के निस्तारण की ली विस्तृत समीक्षा

जनता के बीच विश्वास का वातावरण बनाना हर पुलिसकर्मी की पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए। एएसपी ने निरीक्षण के दौरान आरक्षी बैरक, मेस और शस्त्रागार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, सफाई व्यवस्था एवं आरक्षियों की आवासीय स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक सुधार के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने कहा कि देवरिया पुलिस की कार्यप्रणाली को और अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जनता के प्रति जवाबदेह बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे आमजन का पुलिस पर भरोसा और मजबूत हो सके।

साहित्यकारों ने प्रोफेसर रामदरश मिश्र को अर्पित की श्रद्धांजलि

पडरौना (कुशीनगर)। हिंदी साहित्य के प्रख्यात कवि, कथाकार और उपन्यासकार प्रोफेसर डॉ. रामदरश मिश्र की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन निराला शब्द संवाद मंच, कुशीनगर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश द्विवेदी 'ओम' ने की, जबकि संचालन डॉ. संजय मिश्र ने किया। श्रद्धांजलि देते हुए डॉ. संजय मिश्र ने कहा कि प्रो. रामदरश मिश्र का हिंदी उपन्यास के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान रहा है। वे एक कालजयी रचनाकार थे जिन्होंने हिंदी साहित्य को नई दिशा प्रदान की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व प्राचार्य प्रो. डॉ. सुधाकर तिवारी ने कहा कि ÷प्रो. रामदरश मिश्र हिंदी की दुनिया के सबसे बड़े नागरिक थे। साहित्यकारों की एक बड़ी दुनिया होती है, लेकिन साहित्यकार हमेशा अकेला होता है

क्योंकि उसके साथ भीड़ नहीं चलती। भीड़ तो नेताओं और व्यापारियों के साथ चलती है, पर डॉ. मिश्र न तो नेता थे, न व्यापारी – वे साहित्य के साधक और सरस्वती के सच्चे उपासक थे। कार्यक्रम में डॉ. रामनरेश दूबे, राजकुमार भट्ट बावरा, डॉ. माधुरी तिवारी, डॉ. स्नेह प्रदीप मिश्रा और भूपेन्द्र राय गंवार ने भी अपने विचार रखे और प्रो. मिश्र के साहित्यिक कृतित्व पर प्रकाश डाला। सभा का शुभारंभ प्रो. रामदरश मिश्र के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. कालिंदी बृजेश त्रिपाठी, फिरोज अश्क, पारसनाथ पांडेय, सत्यप्रकाश मिश्र, हरेन्द्र पांडेय और आदर्श सार्थक तिवारी 'विकल्प' सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित रहे।

युवती से दुष्कर्म का प्रयास के साथ ही परिवार पर हमला

नेबुआ नौरंगिया, कुशीनगर ।

चार लोग घायल, जांच में जुटी पुलिस

नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार शाम 7:बजे एक युवती से दुष्कर्म का प्रयास किया गया। युवतीके विरोध करने पर आरोपी ने उसके और परिवार परहमला कर दिया, जिससे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना शाम करीब पांच बजे हुई। युवती दुकान से सामान लेकर घर लौट रही थी, तभी गांव के एक युवक ने उसे अपने दरवाजे पर पकड़कर जबरन अपने घर में खींच लिया और दुष्कर्म का प्रयास किया।

युवती के शोर मचाने पर उसके पिता, मां और भाईमौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपी का विरोध किया। इसकेबाद आरोपी और उसके परिजनों ने मिलकर इन चारों पर लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से हमला कर दिया,जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। सभीघायलों को तत्काल सीएचसी कोटवा ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मंगलवार को युवती के पिता ने आरोपी युवक औरउसके परिवार के खिलाफ पुलिस में तहरीर दी। इस घटना को लेकर गांव में आक्रोश है और ग्रामीण आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। एसाई प्रमोद गौतम ने मामले में उचित कार्रवाई काआश्वासन दिया है।

पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का दीक्षा संस्कार, महा प्रसाद के साथ हुआ समापन

कसया,कुशीननगर।

फाजिलनगर क्षेत्र के ग्रामसभा लछिया स्थित श्री रामेश्वरम परमार्थ ट्रस्ट (देवभूमि हरिद्वार, उत्तराखंड) द्वारा संचालित प्राचीन सिद्धपीठ श्री रामेश्वरम महादेव धाम (मतवा जी की कुटी) के दिव्य प्रांगण में गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार की प्रेरणा व गायत्री शक्तिपीठ फाजिलनगर के सहयोग से पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अवधेश पाण्डेय मुख्य संरक्षक, श्री रामेश्वरम परमार्थ ट्रस्ट के मार्गदर्शन में धाम परिसर में मुण्डन व दीक्षा संस्कार सम्पन्न हुए। जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मुख्य यजमान सम्पादक पं. राजेश्वर द्विवेदी सपत्नीक तथा सह-यजमान रामनारायण यादव सेवानिवृत्त शिक्षक रहे। गायत्री परिवार की महिला टोली श्रीमती दौपदी गुप्ता व श्रीमती निर्मला कुशवाहा ने वैदिक मंत्रोच्चारण व

श्री रामेश्वरम महादेव धाम लछिया में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ

भजन से पूरे प्रांगण को गुंजायमान कर दिया। संचालन डा. रामएकबाल कुशवाहा ने किया। बताया कि अब प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को यह दिव्य अनुष्ठान नियमित रूप से होगा। इस दौरान चि. आदित्य सिंह का मुण्डन संस्कार भी सम्पन्न हुआ। जिसका प्रमाणपत्र वरिष्ठ पत्रकार राजेश्वर द्विवेदी द्वारा प्रदान किया गया। श्री द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान समय में संस्कारों के प्रति जागरूकता आवश्यक है। कार्यक्रम में 51 प्रकार की सब्जियों से निर्मित 'अमृतासन' महाप्रसाद भंडारा सम्पन्न हुआ, जिसकी व्यवस्था अरविन्द सिंह ने की। मुन्नीलाल मिस्त्री ने श्रमदान किया। धाम के व्यवस्थापक सन्यासी स्वामी बैरागी जी ने बताया कि ट्रस्ट के संरक्षक अवधेश पाण्डेय के निर्देशन में प्रत्येक शुक्रवार को आध्यात्मिक चौपाल का आयोजन

होता है। कार्यक्रम में त्रियुगी नारायण पाण्डेय, पं. कैलाश मिश्र, पर्सन कुशवाहा, डा. हीरालाल श्रीवास्तव, आमोद कुमार उपाध्याय,पं.सुभाष पांडेय, रमेश कुमार वर्मा,गनेश गुप्ता, रामप्रीत यादव, सुलोचन यादव, मीरा देवी, तारा देवी, सिंधु बरनवाल आदि उपस्थित रहे।

अदालत-एजेंसियों से न खेलें; आरोपी के दुबई से गायब होने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, ईडी को यह निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को महादेव सट्टेबाजी एप के फरार सह-संस्थापक का पता लगाने और उसकी मौजूदगी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सट्टेबाजी प्रकरण का आरोपी दुबई से भागकर किसी अज्ञात स्थान पर चला गया है, जिसके बाद कोर्ट ने यह निर्देश दिया है। न्यायालय ने कहा ऐसे मामलों के आरोपी अदालतों और जांच एजेंसियों को खेल समझें, इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी रवि उप्पल की ओर से कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के मामले को गंभीरता से लिया और कहा, इससे हमारी अंतरात्मा को धक्का लगा है और अदालत को इस बारे में कुछ करना होगा। भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बच रहा उप्पल कथित तौर पर दुबई से भागकर किसी अज्ञात स्थान पर चला गया है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने उसके खिलाफ प्रत्यर्पण की कार्यवाही बंद कर दी है। पीठ ने कहा, उस जैसे सरगनाओं के लिए अदालतें और जांच एजेंसियां महज खेलने का साधन हैं। हमें इस बारे में कुछ करना होगा। पीठ ने ईडी को उसे तलाशने और हिरासत में लेने का निर्देश दिया। अदालत ने मंगलवार को कहा, हम उसकी याचिका खारिज कर देंगे। पता लगाइए कि उसे कैसे हिरासत में लिया जाए। ऐसा लगता है कि वह एक जगह से दूसरी जगह जाने में काफी कुशल है। शीर्ष अदालत उप्पल की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 22 मार्च के आदेश को चुनौती दी है। अदालत की ओर से उप्पल को रायपुर की निचली अदालत में लंबित धन शोधन मामले की सुनवाई में शामिल होने का निर्देश दिया गया था। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने अदालत को बताया कि ऐसा लगता है कि उप्पल दुबई से भाग गया है, जहां उसे 2023 में हिरासत में लिया गया था। राजू ने कहा कि वित्तीय अपराधों में संलिप्त आरोपी अक्सर ऐसे स्थानों पर भागने की कोशिश करते हैं, जहां भारत के साथ प्रत्यर्पण संधियां नहीं हैं। उन्होंने कहा, आपको दुबई से प्रत्यर्पित किया जा सकता है, क्योंकि भारत की उनके साथ प्रत्यर्पण संधि है। इसलिए हो सकता है कि वह ब्रिटिश वर्जिन द्वीप समूह जैसे स्थानों पर चला गया हो, क्योंकि भारत की उस देश के साथ प्रत्यर्पण संधि नहीं है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 नवंबर की तारीख तय की है। उप्पल के वकील की ओर से समय मांगने पर पीठ ने कहा कि वह उसे भारत लौटने और कार्यवाही का सामना करने के लिए राजी करें। न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा, वह हर समय भागते नहीं रह सकते। उन्हें इस प्रक्रिया में भाग लेना होगा। जमानत देने के मामले में हम उदार हैं। हम उचित चरण में उनकी जमानत याचिका पर विचार करेंगे। पीठ ने राजू से कहा कि वह इस बात की जांच करें कि क्या सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले, जिसमें जांच एजेंसियों को असाधारण परिस्थितियों में आरोपियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को बुलाने की अनुमति दी गई

121 विधानसभा सीटों पर मतदान आज; 45,341 बूथ बनाए गए, चुनावी मैदान में 1314 उम्मीदवार

पटना।

बिहार में पहले चरण मतदान कल यानी छह नवंबर को है। 115 विधानसभा क्षेत्र के 45341 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोटिंग होगी। छह विधानसभा क्षेत्रों के 2135 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से पांच बजे तक ही वोटिंग होगी। बुधवार सुबह से ही डिस्पैच सेंटरों से मतदान कर्मी ईवीएम-वीवीपैट और अन्य सामग्री लेने में जुट गए। आज शाम तक सभी मतदान केंद्र पर सुरक्षा बल पहुंच जाएंगे।

गुरुवार सुबह पांच बजे ही बूथ लेवल एजेंटों की मौजूदगी में मॉक पोल किया जाएगा। इसके दो घंटे बाद यानी सात बजे मतदान शुरू होगा।

पहले चरण में इन जिलों में मतदान

पहले चरण में 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान होगा। यह जिले है- मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सिवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, नालंदा, पटना, भोजपुर और बक्सर। इन 121 सीटों पर कुल 2496 नामांकन दाखिल हुए थे। जांच के क्रम में 1939 को वैध पाया गया। उनमें से 70 प्रत्याशियों ने नामांकन बाद में वापस ले लिया। इसके बाद, कई सेट में नामांकन की छंटनी करते हुए प्रत्याशी के एक नामांकन को लिया गया तो प्रत्याशियों की कुल वास्तविक संख्या 1314 रह गई। इनमें 1192 पुरुष और 122 महिलाएं शामिल हैं। इस चरण में 102 सामान्य और 19 अनुसूचित

छह नवंबर को बिहार में पहले चरण का मतदान होगा। चुनाव आयोग ने पहले चरण को लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली है। आइए जानते हैं किन जिलों में वोटिंग होगी? कितने प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं?

जाति के लिए आरक्षित सीटों पर मतदान होगा।

पहले चरण में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। एक करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, एक करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं और 758 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा, 1, 00, 904 सर्विस वोटर भी इस चरण में वोट डालेंगे। मतदान केंद्रों पर दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए विशेष सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। 3, 22, 077 दिव्यांग मतदाता और 5, 31, 423 वरिष्ठ नागरिक मतदाता (जिनमें 80 वर्ष से अधिक आयु वाले 5, 24, 687 और 100 वर्ष से अधिक आयु वाले 6,736 मतदाता शामिल हैं) भी लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लेंगे। पहले चरण के मतदान में सात लाख 37 हजार 765 मतदाता ऐसे हैं जो पहली बार मतदान करेंगे। इनमें से अधिक 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के युवा वोटर हैं। वहीं 18 से 40 वर्ष के बीच के 1, 96, 27, 330 युवा मतदाता इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।

काशी की दिव्य-भव्य देव दीपावली: घाटों पर स्वर्ग सा नजारा देख सीएम ने किया नमन, आरती में हुए शामिल

वाराणसी। देव दीपावली के अवसर पर कैथी मार्कंडेय महादेव घाट व संगम घाट भी आकर्षक तरीके से सजाया गया था। मां जाह्नवी प्रज्ञा सेवा संस्थान कैथी के स्वयंसेवकों ने दीए व तेल का भरपूर इंतजाम किए। भव्य गंगा आरती व सवा लाख मिट्टी के दीए से मां गंगा का दीपदान किया गया। कंदवा देव दीपावली ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री कर्दमेश्वर महादेव देव दीपावली समिति द्वारा देव दीपावली महोत्सव मनाया गया। हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ 51 हजार दीपों से बिंदु सरोवर एवं देव स्थल को सुसज्जित किया गया। आसमानी आतिशबाजी के साथ दिव्य आरती हुई। अस्सी घाट पर गंगा सेवा समिति की तरफ से सजाई गई विश्व विजेता महिला क्रिकेट टीम की प्रतिकृति को खूब सराहा गया। देव दीपावली के अवसर पर शाम होते ही हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। दीयों की सजावट सबको आकर्षित कर रही थी। कोई सेल्फी ले रहा था तो कोई फोटो। अस्सी घाट की भीड़ में 90 फीसदी संख्या युवाओं और छात्र छात्राओं की है। इस बीच बुजुर्ग दंपतियों ने भी भगवान के नाम से दीप जलाए। इसके साथ ही उन्होंने हाथ जोड़कर मां गंगा और बाबा विश्वनाथ से सुख-समृद्धि की कामना की। अस्सी घाट पर जगतगंज पीजी कॉलेज की 10 छात्राओं ने 250 दीयों और 10 किलोग्राम पुष्प से भगवान विश्वनाथ का मुख उकेरा। यहां पर लोग तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। वर्तमान में अस्सी घाट पर पांच लाख से ज्यादा भक्तों की भीड़ है। वहीं, लोगों के आने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देव दीपावली के शुभ अवसर पर नमो घाट पर दीप प्रज्वलन के बाद मां गंगा की आरती में शामिल हुए। गंगा आरती के उपरांत वह बजरा पर सवार होकर गंगा के उस पार तक का भ्रमण किया और काशी के घाटों पर सजे लाखों दीपों की अद्भुत श्रृंखला का अवलोकन की। प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारियां की है।

सेना को राजनीति में मत घसीटो, राजनाथ सिंह की राहुल गांधी को दो टूक

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के उस बयान की कड़ी आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत का 10 परसेंट हिस्सा आर्मी को कंट्रोल करता है। सिंह ने कांग्रेस नेता पर सशस्त्र बलों को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि आर्मी का कोई धर्म या जाति नहीं होती। बिहार में कल विधानसभा चुनाव के पहले फेज की वोटिंग से पहले चुनाव प्रचार करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, राहुल गांधी डिफेंस फोर्सेज में रिजर्वेशन की मांग करके अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। सिंह ने गांधी पर आर्मी को पॉलिटिक्स में घसीटने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने उन टिप्पणियों की आलोचना की जिन्हें सशस्त्र बलों में अलग-अलग कम्युनिटीज के लिए कोटा की मांग के तौर पर देखा गया था। मिलिट्री कोड ऑफ कंडक्ट का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया, रिजर्वेशन होना चाहिए। हम रिजर्वेशन के समर्थक हैं... हमने गरीबों को दिया है। लेकिन आर्मी? हमारे सैनिकों का सिर्फ एक ही धर्म है, सैन्य धर्म। इसके अलावा कोई दूसरा धर्म नहीं है। हमारी आर्मी को पॉलिटिक्स में मत घसीटिए। जब भी इस देश पर कोई संकट आया है, हमारे सैनिकों ने बहादुरी दिखाकर भारत का सिर ऊंचा किया है। सिंह ने गांधी पर जाति, संप्रदाय या धर्म के आधार पर भेदभाव करने का आरोप लगाया और कहा, जाति, संप्रदाय और धर्म की इस राजनीति ने देश को बहुत नुक्सान पहुंचाया है। हमारी सोच है कि सभी वर्गों का उत्थान होना चाहिए। हम भेदभाव नहीं करना चाहते।

हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी, बिहार में भी यही होगा - राहुल गांधी

नई दिल्ली।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया और वोट चोरी के ताजा आरोप में एच फाइल्स साझा कीं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 25,41,144 लाख वोट चोरी के मामले सामने आए हैं। राहुल गांधी ने कहा, हमारे पास एच फाइल्स शब्द है और यह इस बारे में है कि कैसे एक पूरे राज्य को चुरा लिया गया। हमें शक था कि यह किसी एक निर्वाचन क्षेत्र में नहीं, बल्कि राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर हो रहा है। हमें हरियाणा में अपने उम्मीदवारों से बहुत सारी शिकायतें मिलीं कि कुछ गड़बड़ है और काम नहीं कर रहा है। उनके सारे अनुमान उलट गए। हमने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भी ऐसा ही अनुभव किया था, लेकिन हमने हरियाणा पर ध्यान केंद्रित करने और वहां जो हुआ उसके बारे में विस्तार से जानने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि सभी (एग्जिट) पोल कांग्रेस की जीत (हरियाणा में) की ओर इशारा कर रहे थे और दूसरी बात जो हमारे

राहुल गांधी ने एच फाइल्स शेयर करके लगाए फिर से ईसी पर गंभीर आरोप

लिए आश्चर्यजनक थी, वह यह थी कि हरियाणा के चुनावी इतिहास में पहली बार डाक से वोट वास्तविक मतदान से अलग थे। उन्होंने कहा -हरियाणा में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। इसलिए, हमने सोचा कि आइए विस्तार से बात करते हैं। जब मैंने पहली बार यह जानकारी देखी, जो आप देखने जा रहे हैं, तो मुझे यकीन नहीं हुआ। मैं सदमे में था... मैंने टीम को कई बार दोबारा जांच करने के लिए कहा। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि कांग्रेस की भारी जीत को हार में बदलने की एक योजना बनाई गई थी। उन्होंने कहा मैं चाहता हूं कि भारत के युवा, जेनरेशन जेड इसे अच्छी तरह समझ लें क्योंकि यह आपके भविष्य का सवाल है...मैं चुनाव आयोग और भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा हूं, इसलिए मैं इसे 100फीसदी सबूतों के साथ कर रहा हूं। हमें पूरा यकीन है कि कांग्रेस की भारी जीत को हार में बदलने की एक योजना बनाई गई थी...कृपया उनके (मुख्यमंत्री नायब सैनी) चेहरे पर मुस्कान और उस व्यवस्था पर ध्यान दें जिसकी वह बात कर रहे हैं। चुनाव के दो दिन बाद, हर कोई कह रहा है कि कांग्रेस चुनावों में भारी जीत हासिल कर रही है।

राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर ईसी का पलटवार- 'हम नियमों से बंधे हैं,आप शपथ पत्र दें!'

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि आयोग हर एक शिकायत पर कदम उठाएगा। इसके लिए राहुल गांधी को सभी आरोपों के संबंध में शपथ पत्र देना होगा। आयोग ने कहा कि चुनाव नियम-1960 में आरोप लगाने वाले की जिम्मेदारी तय की गई है, ताकि राजनीतिक दल या व्यक्ति आधारहीन आरोप न लगाएं। आयोग ने साफ किया कि बिना शिकायत और डिक्लेरेशन के वह यह मानकर चलता है कि ये आधारहीन आरोप हैं और ऐसे मामलों में आयोग खुद एक्शन नहीं ले सकता, क्योंकि वह नियमों से बंधा है। आयोग ने याद दिलाया कि पहले भी राहुल गांधी से डिक्लेरेशन मांगा गया था, लेकिन उनकी ओर से आरोपों की जांच के लिए कोई शपथ पत्र या शिकायत नहीं दी गई थी।

किरेन रिजिजू का पलटवार

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी के आरोपों पर कड़ा जवाब दिया और उन पर देश की विश्वसनीयता को निशाना बनाने का आरोप लगाया। रिजिजू ने कहा, राहुल गांधी सिर्फ भाजपा को ही नहीं, बल्कि हमारे देश के सिस्टम और इसके इंस्टीट्यूशन की क्रेडिबिलिटी को भी टारगेट कर रहे हैं... इलेक्शन कमीशन, हमारे डेमोक्रेटिक सिस्टम पर सवाल उठाने का मतलब है कि आप देश, हमारे सिस्टम को टारगेट कर रहे हैं। यह एक सोची-समझी साजिश है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि भारत और विदेश की कई ताकतें भारत की इमेज को नुकसान पहुंचाने के लिए राहुल गांधी को मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रही हैं।

कांग्रेस की प्रतिक्रिया

किरेन रिजिजू के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा ने कहा, इस तरह के बेवकूफाना कमेंट्स हरियाणा चुनाव में 25 लाख वोटों की वोट चोरी के असली मुद्दे से ध्यान नहीं हटाएंगे। पीएम और इलेक्शन

माफिया को सबक, गरीबों को छत! सीएम योगी ने मुख्तार अंसारी की जमीन पर बनवाए घर, 72 फ्लैट गरीबों को सौंपे

लखनऊ।

लखनऊ के डीआईपी इलाके में मंगलवार को एक ऐतिहासिक पल देखने को मिला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां माफिया मुख्तार अंसारी के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर बनाए गए 72 फ्लैटों का शुभारंभ किया और गरीब परिवारों को उनके नए घरों की चाबियां सौंपी।

इन फ्लैटों का निर्माण सरदार वल्लभभाई पटेल आवास योजना के तहत किया गया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने बताया कि जहां इस इलाके में एक फ्लैट की बाजार कीमत करीब एक करोड़ रुपये है, वहीं आवंटियों को ये फ्लैट मात्र 10.70 लाख में दिए गए हैं।

माफिया पर कड़ी चेतावनी

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे सिर्फ एक आवासीय योजना नहीं, बल्कि माफियाओं के लिए सख्त संदेश बताया। उन्होंने कहा, -जो कोई गरीब या सरकारी जमीन पर कब्जा करेगा, उसका यही हाल होगा। पहले यूपी में माफिया संविधान की धज्जियां उड़ाते थे, लेकिन अब कानून का राज है। माफिया अब उसी भाषा में समझे जाते हैं, जो वे खुद समझते हैं। सीएम ने कहा कि जो लोग माफियाओं का समर्थन करते हैं या उनके 'कब्रिस्तान तक फातिहा पढ़ने जाते हैं', वे खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं।

लॉटरी से चयन, मुख्यमंत्री ने खुद सौंपी चाबियां

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मंगलवार को इन फ्लैटों की लॉटरी निकाली गई थी। बुधवार को सीएम योगी ने स्वयं चयनित लाभार्थियों को चाबियां दीं। मुख्यमंत्री ने इसे गरीबों के सम्मान और सुरक्षा की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता बताया।

कुकरैल किनारे की भूमि पर अब 'उपवन'

सीएम ने बताया कि कुकरैल नदी के किनारे की जमीन पर पहले बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का कब्जा था, जिसे हटाकर अब वहां उपवन (पार्क) तैयार किया गया है। उन्होंने कहा, यह नया यूपी है – यहां कानून का राज चलेगा, माफिया का नहीं।

मिर्जापुर में कार्तिक पूर्णिमा से लौट रही 6 महिलाओं की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में चुनार रेलवे स्टेशन पर बुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से छह महिलाओं की मौत हो गई। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई जब यात्री चोपन एक्सप्रेस ट्रेन से पटरी वाली तरफ उतर गए। उन्होंने कहा कि इस दौरान वे सामने से आ रही नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। सिंह ने बताया कि ये लोग कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए यहां आए थे। रेलवे ने कहा कि चोपन एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म संख्या चार पर रुकी और यात्री फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद पटरी वाली ओर उतरने लगे। रेलवे ने एक बयान में कहा, ये यात्री कार्तिक

पूर्णिमा स्नान के लिए मिर्जापुर आए थे। फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद, वे पटरियों से प्लेटफार्म पार कर रहे थे, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। राजकीय रेलवे पुलिस के निरीक्षक शत्रुघ्न सिंह ने छह लोगों की मौत की पुष्टि की। मृतकों की पहचान सविता (28), साधना (16), शिव कुमारी (12), अंजू देवी (20), सुशीला देवी (60) और कलावती (50) के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ितों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय और राज्य आपदा मोचन बलों को दुर्घटनास्थल पर पहुंचने का आदेश दिया गया है।

दिल्ली दंगा मामले में कोर्ट का फैसला- जय श्रीराम का नारा लगाना हिंसा में शामिल होने का सबूत नहीं, दो आरोपी बरी

नई दिल्ली। दिल्ली में कड़कड़डूमा कोर्ट के एडिशनल सेशन जज प्रवीण सिंह ने जॉनी कुमार और मिथन सिंह को बरी कर दिया. सुनवाई के बाद जज प्रवीण सिंह ने कहा कि अभियोजन पक्ष के किसी भी गवाह ने अपनी गवाही में यह नहीं बताया कि आरोपी किसी हिंसक भीड़ का हिस्सा थे. जज ने कहा कि आरोपी भीड़ के साथ खड़े होकर जय श्री राम के नारे लगा रहे थे, लेकिन इससे यह साबित नहीं होता कि वही भीड़ दंगों में शामिल थी. यह मामला 25 फरवरी 2020 को हुए दिल्ली दंगों से जुड़ा है. जब सुबह करीब 11 बजे खजूरी खास इलाके में महाराज बैंड नाम की दुकान को एक भीड़ ने नुकसान पहुंचाया था. इस घटना के बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जॉनी कुमार और मिथन सिंह को गिरफ्तार किया था. बाद में सात अन्य तोड़फोड़ की घटनाओं को भी इसी एफआईआर में जोड़ दिया गया था. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सिर्फ उपस्थिति या नारे लगाने को हिंसा का प्रमाण नहीं माना जा सकता, जब तक कि कोई ठोस सबूत न हो जो यह दिखाए कि आरोपी वास्तव में हिंसक भीड़ का हिस्सा थे. कोर्ट में दिल्ली पुलिस ने दावा किया कि गवाहों को आरोपियों ने अपने पक्ष में कर लिया है. लेकिन कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया. जज ने कहा कि यह मानना मुश्किल है कि जो पीड़ित खुद नुकसान झेल चुके हैं वे कई साल बाद आरोपियों के साथ हो जाएंगे.

अखिलेश यादव ने वोट चोरी और धांधली पर चिंता जताई

नवादा। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को बिहार के लोगों से बड़ी संख्या में वोट डालने और राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव की युवा लीडरशिप को सपोर्ट करने की अपील की। नवादा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं बिहार के लोगों से अपील करना चाहूंगा कि वे बाहर निकलें, बड़ी संख्या में वोट करें, नौकरियों के लिए वोट करें और नई पीढ़ी के तेजस्वी को सपोर्ट करें। अखिलेश यादव ने बिहार चुनाव प्रचार में आए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा, योगी पर भरोसा मत करो। योगी होने के

बावजूद, वह हर बात पर झूठ बोलते हैं। जो लोग किसानों को मजदूरी नहीं दे सकते और युवाओं को नौकरी नहीं दे सकते, वे यहां वोट मांगने कैसे आते हैं? वे अभी यूपी में हारे, जहां लोगों ने उन्हें नकार दिया। इसलिए मैं कह रहा हूं, पहले वे अवध में हारे और अब मगध में भी ऐसा ही होगा। जनता नए तेजस्वी को स्वीकार कर रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हरियाणा चुनाव में वोट चोरी के हालिया दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए, अखिलेश यादव ने बिहार में भी धांधली की चिंता जताई। उन्होंने कहा, यह कोई नई बात नहीं है। आजकल, लोगों को अपना वोट सुरक्षित रखने और यह पक्का करने की जरूरत है कि वे इसे डालें। मैंने सुना है कि बिहार में भी लोगों को घर पर रहने और वोट न देने की हिदायत दी जा रही है। यही तरीका उत्तर प्रदेश में अपनाया गया था। इसलिए लोगों को अपना वोट बचाना होगा, उन्हें इसे कटने से बचाना होगा, फिर उन्हें यह पक्का करना चाहिए कि वे अपना वोट डालें।

महाराष्ट्र सरकार का अगले साल 30 जून तक किसानों की कर्जमाफी का फैसला अस्वीकार्य : उद्धव ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि कृषि ऋण माफी पर निर्णय के लिए राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 30 जून, 2026 की तारीख ''स्वीकार्य नहीं'' है। उद्धव ने बुधवार को यहां एक गांव में किसानों से बातचीत के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि अगर सरकार ऋण माफ करने की योजना बना रही है तो क्या किसानों को अपनी किश्तें चुकाना जारी रखना होगा? शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख ने बुधवार को छत्रपति संभाजीनगर के पैठण तालुका के नांदर गांव से अपने चार दिवसीय मराठवाड़ा दौरे की शुरुआत की, जहां उन्होंने किसानों से बातचीत की। वह दिन में बाद में पाली (बीड), पाथरूड, शिरसाव (धाराशिव) और घरी (सोलापुर) गांवों का दौरा भी करेंगे। फडणवीस ने कहा था कि सबसे पहले यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि किसानों को बाढ़ राहत के लिए मुआवजा मिले और साथ ही रबी की बुवाई की तैयारी भी की जाए। कृषि ऋण माफी पर समयसीमा को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए ठाकरे ने कहा, ''यह तारीख हमें स्वीकार्य नहीं है। हम किसानों को उनके नुकसान के मुआवजे के रूप में प्रति हेक्टेयर 50,000 रुपये की मांग कर रहे हैं। किसानों को अब कर्जमाफी की भी जरूरत है। सरकार का कहना है कि वह इस मुद्दे का अध्ययन करना चाहती है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''इससे पहले, मेरी सरकार के दौरान, हमने अध्ययन किया था और उसका विवरण अब भी सरकार के पास है। हमारी सरकार ने तब ऋण माफी की थी।'' उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने अब ऋण माफी के लिए 30 जून, 2026 की नयी तारीख दी है। ठाकरे ने सवाल किया, ''यदि अगले वर्ष जून में ऋण माफ होने वाला है तो क्या किसानों को अब अपनी किश्तें चुकानी चाहिए या नहीं? यदि हां, तो किसान यह राशि कैसे देंगे? '' ठाकरे ने मांग की कि किसानों को अब कर्ज माफी दी जानी चाहिए।